Title: Need for a nation-wide programme for proper utilisation of water in the Country.

डा. सुशील इन्दौरा (सिरसा): सभापति महोदय, एक ओर देश में प्रयास हो रहा है कि सिंचित भूमि का एरिया कृषि क्षेत्र में बढ़ाया जाये, साधनों की कमी व अन्य राजनैतिक कारणों से गत ५० वर्षों में सिंचित भूमि कुल कृषि भूमि की २८ प्रतिशत हो पायी है, किन्तु दूसरी ओर वाटर लोगिंग व खारी पानी की मिट्टी जैसे दुष्प्रभाव तेजी से देश में कृषि भूमि पर बढ़ते जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंचित कमांड एरिया में से ३० लाख पैक्यर भूमि वाटर लोगिंग और २० लाख हैक्टर भूमि खारी पानी के कारण कृषि योग्य नहीं रही है। मेरे स्वयं के संसदीय क्षेत्र सिरसा में वाटर लोगिंग व खारी पानी की समस्या से हजारों एकड़ भूमि कृषि योग्य नहीं रही है। इस क्षेत्र में घघर नदी पहाड़ी नदी है जब आती है बाढ़ के पानी से तबाही करती आती है और जब जाती है तो सारे क्षेत्र को सूखे की चपेट में डालती है।

अतः मेरा सरकार से निवेदन है कि देश में उपलब्ध पानी की सुव्यवस्था करने के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम क्रियान्वयन की घोषणा करे जिससे यह प्रकृति द्वारा दिया जल मानव के जीवन रक्षण का कारण बने, न कि उसके विनाश का।